कृषक चौपाल कार्यक्रम के प्रथम एपिसोड का प्रसारण एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर (07 दिसंबर 2024)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा कृषि शिक्षा के सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आज से शुरू हुए कार्यक्रम "कृषि चौपाल" के प्रथम एपिसोड का प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर द्वारा किया गया। प्रत्येक माह को डी0डी0 किसान चैनेल तथा ए0आई0आर0 के माध्यम से प्रसारित होनेवाले इस कार्यक्रम मे आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा इसके अधिनस्थ संस्थानों के सहयोग से विविध फसलों के 109 विकसित बायोफोर्टिफाईट प्रजातियाँ जिनकों बीते अगस्त माह मे माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई हैं, उसकी तकनीकी जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी गई। राष्ट्र स्तरीय इलेक्ट्रानिक मिडिया के माध्यम से प्रसारित इस कृषक चौपाल कार्यक्रम द्वारा किसानों के बीच उन्नत कृषि तकनीकियों के प्रति जागरूक कर अधिकाधिक प्रसार करना हैं।

साथ ही आगंतुक किसानों को जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम मे जलवायु अनुकूल प्रजातियों का प्रयोग व लाभ तथा रबी फसलोत्पादन के प्रति जागरूकता एवं तकनीकी जानकारी देने हेतु किसान गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। मुख्य अतिथि श्री अविनाश शंकर, जिला कृषि पदाधिकारी, बक्सर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के प्रभारी प्रमुख श्री हरिगोबिन्द द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्री हरिगोबिन्द ने रबी फसलों के लिए उन्नत प्रभेद चयन एवं इसके लाभ, संतुलित खाद उर्वरक प्रयोग एवं सिंचाई की विस्तृत तकनीकी जानकारी से अवगत कराया। आमंत्रित श्री अविनाश शंकर ने कृषि विभाग, बक्सर द्वारा चलाई जा रही कृषक हितार्थ योजनाओं के बारे मे बताया। विशेषज्ञ श्री रामकेवल ने फसल विविधिकरण तथा रबी फसलों मे खरपतवार, रोग व कीट-व्याधि प्रबंधन की समूचित जानकारी दी। प्रक्षेत्र प्रबंधक श्री आरीफ प्रवेज ने कस्टम हायरिंग सेन्टर एवं इसके लाभ के बारे मे प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। प्रश्नोत्तरी सत्र मे किसानों के रबी फसलों से संबंधित समस्यों की तकनीकी समाधान बताये गये।

कार्यक्रमों मे जिले के पवनी, चुन्नी, नाथपुर, रामोबरिया, दलसागर, हरिकिशुनपुर, बालापुर, कुकुढ़ा, पडरी, जिगना, भितिहारा, सोनपा, आदि गाँव के 135 महिला एवं पुरूष किसान बंधु उपस्थित थे।

***